संसदीय प्रश्न: अवलोकन नेटवर्क में अपग्रेडेशन

प्रविष्टि तिथि: 29 JAN 2026 5:10PM by PIB Delhi

डॉप्लर वेदर रडार कवरेज में विस्तार

वर्तमान में, पूरे भारत में 47 डॉप्लर वेदर रडार (डीडब्ल्यूआर) चालू हैं, जिसमें देश का 87% कुल क्षेत्र रडार कवरेज के अंतर्गत आता है। इसके अलावा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भारत को "मौसम के लिए तैयार और जलवायु स्मार्ट" राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ "मिशन मौसम" योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक मौसम की घटनाओं के प्रभावों को कम करना है।

अवलोकन नेटवर्क में अपग्रेडेशन

2014-2025 की अवधि के दौरान मौसम विभाग अवलोकन नेटवर्क में किए गए अपग्रेड को परिशिष्ट-1 में 2014 के अंत और 2025 के अंत में अवलोकन नेटवर्क की तुलना के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह पिछले दशक के दौरान देश में मौसम अवलोकन नेटवर्क में महत्वपूर्ण सुधार को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

मोबाइल-आधारित अलर्ट सिस्टम का उपयोग

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) चेतावनियों के प्रसार और संचार के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के समन्वय से आवश्यक कदम और कार्रवाई करता है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, आईएमडी भारी वर्षा, बिजली, गरज, धूल भरी आंधी आदि जैसी मौसम की गंभीर घटनाओं के लिए एसएसीएचईटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) अलर्ट जेनरेट कर रहा है। ये अलर्ट राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) द्वारा एसएमएस के माध्यम से भू-लक्षित उपयोगकर्ताओं को प्रसारित किए जाते हैं। ये अलर्ट एसएसीएचईटी वेबसाइट और एसएसीएचईटी मोबाइल ऐप के माध्यम से भी प्रसारित किए जाते हैं। आईएमडी के सीएपी फ़ीड ग्लोबल मल्टी-हैज़र्ड अलर्ट सिस्टम (जीएमएएस), गूगल, एक्यूवेदर और एप्पल को भी प्रसारित किए जाते हैं।

आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया में सुधार

इन प्रणालियों से आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया में सुधार हुआ है। जानकारी फैलाने में ऐसे सुधारों के कारण, अगस्त 2021 से कुल 9342 करोड़ एसएमएस भेजे गए हैं और हाल ही में आए चक्रवात "मोंथा" के दौरान, लोगों को कुल 77.64 करोड़ एसएमएस भेजे गए। इन सभी सुधारों से खराब मौसम की घटनाओं के पूर्वानुमान की सटीकता में काफी सुधार हुआ है और मृतकों की संख्या में भी काफी कमी आई है। उदाहरण के लिए, चक्रवातों के कारण, 1999 के ओडिशा सुपर साइक्लोन में लगभग 7000 लोगों की जान चली गई थी, जबकि हाल के वर्षों में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के प्रभाव से पूरे क्षेत्र में यह संख्या 100 से कम हो गई है। चक्रवात का सटीक पूर्वानुमान मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि के भुगतान, लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की लागत और बिजली, समुद्री, विमानन, रेलवे आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले खर्च के मामले में लगभग 1100 करोड़ रुपये बचाता है। इसी तरह, हाल के वर्षों में लू से होने वाली मौतों में भी कमी आई है।

अनुलग्नक-1

2014 के आखिर में और 2025 के आख़िर में आईएमडी मौसम अवलोकन नेटवर्क की स्थिति की तुलना:

पैरामीटर/सिस्टम	2014 के आखिर में	2025 के आखिर में
ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन नेटवर्क	675	1008
डॉप्लर वेदर रडार	15	47
रेन गेज स्टेशन	3500	6726
रनवे विज़ुअल रेंज सिस्टम	20	186 (49 दृष्टि+137 एफएसएम आरवीआर)
आरडब्ल्यूवाई पर मौजूदा मौसम उपकरण सिस्टम	29 हवाई अड्डों पर	93 हवाई अड्डों पर (137 सीडब्ल्यूआईएस)
दबाव मापने वाले	मर्करी बैरोमीटर	डिजिटल बैरोमीटर
ऊपरी हवा का अवलोकन	43 आरएस/आर डब्ल्यू स्टेशन 62 पायलट बैलून स्टेशन	56 आरएस/आरडब्ल्यू स्टेशन 62 पायलट बैलून स्टेशन
तेज़ हवा की गति रिकॉर्डर	19	36 (गोवा स्टेशन बंद कर दिया गया)
बिजली गिरने का लोकेशन नेटवर्क	कोई नहीं	104 लोकेशन

यह जानकारी केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज राज्यसभा में लिखित उत्तर में दी।

****

पीके/केसी/पीके/एसएस

(रिलीज़ आईडी: 2220534) आगंतुक पटल : 36
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Tamil